मूल्य 1 रु.
वर्षः 11 - अंक : 246, मुंबई, शुक्रवार, 19 नवंबर, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R

अब हर सच होगा उजागर

॥ शुभ लाभ ॥
MIX MITHAI

• मोतीचूर लड्डू • काजू कतरी • काजू रोल
• बदाम बर्फी • मलाई पेड़े • रसगुल्ले
MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501

पहली पत्नी के रिश्तेदार और IPS अधिकारी के बेटे को भी ड्रग्स मामले में गलत तरीके से फंसा चुके हैं समीर वानखेड़े

नवाब मलिक का आरोप

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री नवाब मलिक ने स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) के जोनल निदेशक समीर वानखेड़े के विरुद्ध ताजा आरोप लगाते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि वानखेड़े ने अपनी पहली पत्नी के रिश्तेदार को मादक पदार्थ के एक मामले में गलत तरीके से फंसाया ताकि उसका परिवार अधिकारी के खिलाफ न बोल सके। मलिक ने यहां संवाददाताओं से कहा कि वानखेड़े ने भारतीय पुलिस सेवा के एक अधिकारी के बेटे को भी मादक पदार्थ के मामले में फंसाया और उसे गिरफ्तार करवाया। (शेष पृष्ठ 3 पर)

फडणवीस गैंग ने सरकारी एजेंसी का दुरुपयोग कर देशमुख को फंसाया, हिसाब जरूर होगा

महाराष्ट्र के केबिनेट मंत्री नवाब मलिक ने फडणवीस पर आरोप लगाते हुए कहा कि देवेंद्र फडणवीस और उनके गैंग ने मिलकर फर्जी मामले में अनिल देशमुख को फंसाया है। इस बात का हिसाब कभी न कभी जरूर होगा। उन्होंने यह भी कहा कि मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह भगोड़ा घोषित किए गए हैं। अगर वह महाराष्ट्र की सीमा में होंगे तो उन्हें जरूर ढूंढ कर अदालत के सुपुर्द किया जाएगा। वहीं मलिक ने देश के गृहमंत्री अमित शाह से भी अपील की है कि वे भी परमबीर सिंह को ढूंढने में मदद करें।

बीएमसी में टेंडर के नाम पर चल रहा है शिवसेना का भ्रष्टाचार

बीएमसी में शिवसेना के नेता विनोद मिश्रा ने सत्ताधारी शिवसेना पर भ्रष्टाचार का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा की शिवसेना बीएमसी अधिकारियों की मिली भगत से टेंडर के नाम पर भ्रष्टचार का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा की शिकायत के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गयी है।

कंगना के खिलाफ एक्शन लेगी कांग्रेस

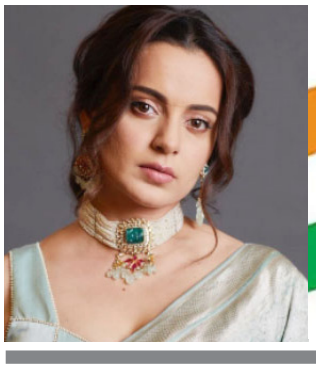

मुंबई। देश के आजादी को लेकर अपने बयान के कारण विवादों में आईं फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत ने महात्मा गांधी के खिलाफ टिप्पणी की है। कंगना के इस बयान की राकांपा और कांग्रेस के नेताओं ने तीखी आलोचना की है। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि पार्टी अभिनेत्री कंगना रनौत द्वारा की गई टिप्पणियों पर कानूनी राय ले रही है और उसके एक नेता ने पुलिस से रनौत के खिलाफ शिकायत दर्ज करने का पहले ही अनुरोध किया है। उन्होंने बॉलीवुड अभिनेत्री की टिप्पणियों को राष्ट्र विरोधी बताया है। पटोले ने कहा कि कांग्रेस ऐसे समन्वित हमलों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाएगी। पटोले ने कहा कि कुछ हिंदी फिल्म कलाकार हैं, जिन्हें कुछ पुरस्कार दिए जाते हैं और उनका इस्तेमाल ऐतिहासिक तथ्यों से छेड़छाड़ करने में किया जाता है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

दिल्ली दंगों में पुलिसकर्मी पर तानी थी पिस्तौल आरोपी ने अब कहा- मारने का नहीं सिर्फ डराने का था इरादा

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली में पिछले साल फरवरी में सांप्रदायिक दंगे हुए थे। इन दंगों के दौरान दिल्ली पुलिस के हेड कांस्टेबल पर पिस्तौल तानने वाले शाहरुख पठान की तस्वीर मीडिया में सुर्खियां बनी थीं। इस आरोपी ने गुरुवार को एक अदालत से अब कहा कि उसने पुलिसकर्मी पर गोली नहीं चलाई और उसका इरादा पुलिसकर्मी को मारने का नहीं था। अलबत्ता, वह वह केवल डराना चाहता था। हालांकि, इस दावे पर अभियोजन पक्ष ने विरोध जताया। पिछले साल हुए दंगों के दौरान पठान के हेड कांस्टेबल दीपक दहिया पर पिस्तौल तानने की तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी। शाहरुख पठान को तीन मार्च, 2020 को गिरफ्तार किया गया था और वह वर्तमान में तिहाड़ जेल में बंद है। पठान की ओर से पेश वरिष्ठ वकील मेनका गुरुस्वामी ने यह दशार्ने के लिए कि पुलिसकर्मी की हत्या का प्रयास नहीं किया गया, अदालत में इस घटना का 26 सेंकड की एक वीडियो क्लिप चलाई। (शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

प्रदूषण के खिलाफ

जब प्रदूषण का संकट बहुत भारी पड़ने लगा है, तब सरकारों की चिंता और सक्रियता कुछ बढ़ी है। निस्संदेह, सरकारों की सक्रियता के पीछे सर्वोच्च न्यायालय की फटकार की सर्वाधिक भूमिका है। बुधवार को हुई सुनवाई में भी न्यायालय ने सरकारों पर तीखा तंज कसा है। लगे हाथ टीवी मीडिया को भी आडे. हाथ लिया है। न्यायालय ने जो कहा है, वह वास्तव में शासन-प्रशासन के ऐसे लोगों की आलोचना है, जो पंच सितारा सुविधाओं में बैठकर पराली जलाने पर बयान देते रहते हैं। प्रधान न्यायाधीश एन वी रमन्ना के नेतृत्व में न्यायालय की बेंच ने उन लोगों भी आड़े हाथ लिया है, जो प्रदूषण दूर करने के लिए कोई कदम नहीं उठाते हैं, लेकिन किसानों को दोष देते हैं। जो बहस हुई है, उससे न्यायालय कतई खुश नहीं है, इसलिए अब अगले बुधवार को फिर सुनवाई होगी। कहना न होगा कि न्यायालय की ओर से सरकारों को पर्याप्त समय दिया जा रहा है कि वे प्रदूषण कम करने के लिए कदम उठाएं और लोगों को राहत दें। न्यायालय ने कहा है, नौकरशाही पूरी तरह से शिथिल हो गई है। पानी की बाल्टी या फिर प्रिंरकलर्स के इस्तेमाल तक के लिए क्या हमें ही कहना है ? ज्यादा ईंधन खपत करने वाले वाहनों पर कौन रोक लगाएगा ? जहां तक सरकारों की दलील है, वे वाहनों पर रोक लगाने या ह्यवर्क फ्रॉम होमह्न लागू करने के प्रति ज्यादा आश्वस्त नहीं हैं। सरकारों की दलीलों से एक व्यंजना यह भी आ रही है कि हर सरकार को दूसरी सरकार से उम्मीद या अपेक्षा है। साथ ही, इन सुनवाइयों में इतना तो तय हो ही गया है कि किसी भी सरकार के पास प्रदूषण रोकने की कोई ठोस योजना नहीं है। अदालत का यह कहना भी काबिले-गौर है कि कुछ जिम्मेदारियां लोगों और संस्थाओं को भी उठानी चाहिए। हर चीज अदालतों के फैसलों से ही नहीं हो सकती। आखिर दिल्ली में दिवाली के बाद भी 10 दिनों तक पटाखे चलाए जाने की वजह क्या थी ? क्या किसी के खिलाफ कार्रवाई की गई है ? मोटे तौर पर दिल्ली सरकार ने कहा है कि वह सप्ताहांत में लॉकडाउन लगाने को तैयार है। दिल्ली और आसपास के सभी शहरों में स्कूल और कॉलेज अगले आदेश तक बंद रहेंगे। इसके अलावा, एनसीआर के सभी राज्यों, यानी दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान में 21 नवंबर तक सभी निर्माण संबंधी गतिविधियों पर रोक लगाई जा रही है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के 300 किलोमीटर के दायरे में चल रहे कोयला आधारित विद्युत संयंत्रों में से सिर्फ पांच चलेंगे। आवश्यक वस्तुएं लाने वाले ट्रकों को ही शहर में आने दिया जाएगा। यह फैसला भी स्वागतयोग्य है कि अगर कोई खुले में निर्माण सामग्री का ढेर लगाते पाया गया, तो उस पर भारी जुमार्ना लगेगा। इसके अलावा सड़कों पर कचरा फेंकने पर भी कड़ा जुमार्ना लगेगा। हालांकि, ये ऐसे उपाय हैं, जिन पर पूरी कड़ाई से बारहों महीने अमल किया जा सकता है और करना ही चाहिए। शहरों में सफाई की मशीनें बढ़ाने जैसे उपायों के लिए प्रदूषण के दौर का भला क्यों इंतजार रहना चाहिए ? सरकार बड़ी संख्या में सीएनजी बसें सड़कों पर उतारने का फैसला ले रही है, क्या यह काम पहले नहीं हो सकता था ? प्रदूषण पर लगाम के लिए अनेक उपाय हैं, जिन पर हमेशा के लिए अमल करना चाहिए। जहां छोटे उपाय तत्काल बढ़ाने चाहिए, वहीं बड़े उपायों की तैयारी में लग जाना चाहिए।

बदल रहा है नौकरशाही का ढांचा

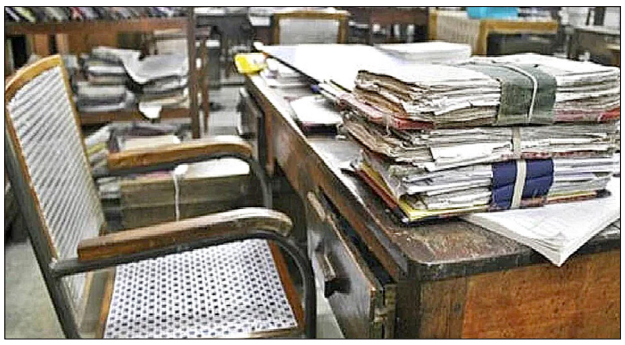

इन दिनों वित्त मंत्री के अगले मुख्य आर्थिक सलाहकार के संभावित नाम को लेकर कयास लगाये जा रहे हैं... क्या देश की पहली महिला वित्त मंत्री को पहली महिला सलाहकार मिलेंगी?

क्या भारतीय नौकरशाही का कुख्यात स्टील ढांचा अब एल्युमिनियम में बदल गया है। मोदी सरकार ने लंबे समय से चले आ रहे विशेषाधिकार को प्रभावहीन कर दिया है और दफ्तरी बाबुओं के चतुर पैंतरों को नाकाम कर रही है। बीते पांच साल से वे नियमित रूप से कार्यालय जा रहे हैं और बैठकों में शामिल हो रहे हैं। हाल में सेवानिवृत्त हुए अधिकारियों की मानें, तो निर्णय लेने की प्रक्रिया का ढांचा तेजी से बदल चुका है।

अब शीर्ष स्तर पर निर्णय लिये जाते हैं और उन्हें लागू करने के लिए नीचे भेजा जाता है। पहले बेपरवाह अधिकारियों को वरिष्ठ स्तर की नियुक्तियों की जानकारी रहती थी, पर अब जब आधी रात को कार्मिक विभाग के वेबसाइट पर नाम घोषित होते हैं, तो उन्हें झटका लगता है। इन दिनों वित्त मंत्री के अगले मुख्य आर्थिक सलाहकार के संभावित नाम को लेकर कयास लगाये जा रहे हैं।

क्या देश की पहली महिला वित्तमंत्री को पहली महिला सलाहकार मिलेंगी? क्या अपने ढंग से फैसले लेनेवाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ब्रेंटवुड संस्थाओं से किसी को लायेंगे या किसी भारतीय अर्थशास्त्री को पसंद करेंगे? इस पद के लिए विज्ञापन जारी हो चुके हैं। सत्ता के गलियारों में जो तीन संभावित नाम चर्चित हैं, उनमें शीर्ष पर डॉ पमी दुआ का नाम है, जो दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में प्रोफेसर हैं। मोदी सरकार ने 2016 में उन्हें रिजर्व बैंक की शक्तिशाली मौद्रिक नीति समिति की पहली महिला सदस्य के रूप में चार वर्षों के लिए नामित किया था।

देश में बढ़ीं वे शायद पहली भरोसेमंद अर्थशास्त्री हैं। दूसरी प्रतिष्ठित देशी अर्थशास्त्री पूनम गुप्ता हैं, जो अभी नेशनल काउंसिल ऑफ अप्लायड इकोनॉमिक रिसर्च की महानिदेशक हैं। उन्हें हाल में पुनर्गठित सात सदस्यीय प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार परिषद का सदस्य बनाया गया है।

हालांकि विदेश में शिक्षित कुछ खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की मुख्य अर्थशास्त्री गीता गोपीनाथ का नाम उछाला है। पहले के कई आर्थिक सलाहकारों की तरह उनका भी अमेरिकी विद्वानों और कॉरपोरेट जगत से अच्छा जुड़ाव है। सलाहकार पद पर नियुक्ति में उनकी अमेरिकी नागरिकता आड़े आ सकती है। वैसे मौजूदा प्रमुख आर्थिक सलाहकार संजीव सान्याल भी हिंदुत्व अर्थशास्त्र के प्रति प्रतिबद्धता के कारण छुपे रुस्तम साबित हो सकते हैं।

तीन संभावित नामों का निर्णय एक सर्च कमिटी करेगी, जिसकी जानकारी अभी सार्वजनिक नहीं की गयी है। भावी मुख्य आर्थिक सलाहकार के चयन से आगामी बजट की वैचारिक दिशा इंगित होगी। प्रधानमंत्री मोदी आर्थिक थिंक टैंकों को आखिरकार आकार दे रहे हैं। पिछले माह उन्होंने अपनी आर्थिक सलाहकार परिषद का पुनर्गठन किया है।

आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, यह परिषद एक गैर संवैधानिक, गैर वैधानिक, स्वतंत्र इकाई है, जिसका काम प्रधानमंत्री को आर्थिक मामलों पर सलाह देना है। इससे अपेक्षा की जाती है कि यह आर्थिक वृद्धि को प्रभावित कर सकनेवाले अहम आर्थिक घटनाओं को सरकार की जानकारी में लाये। इस परिषद के प्रमुख विदेश में शिक्षित बिबेक देबरॉय हैं। इससे इंगित होता है कि प्रधानमंत्री मोदी मजबूत कॉरपोरेट रिश्तों वाले बाहरी टेक्नोक्रेट को साथ रखना चाहते हैं ताकि नीतियों को तय करने में उनसे मदद मिल सके। परिषद के सात में से चार सदस्य अभी भी निजी भारतीय और विदेशी वित्तीय, कॉरपोरेट और बैंकिंग संस्थानों में कार्यरत हैं।

पहली नजर में यह सामान्य प्रशासनिक निर्णय लग सकता है, पर गॉसिप में लिप्त नौकरशाही के लिए मोदी की कार्रवाई पश्चिम बंगाल में भाजपा की हार का नतीजा है। पिछले माह एक अचरज भरे फैसले में संग्रहालय और सांस्कृतिक स्थानों के विकास के सीईओ का पद खत्म कर दिया गया। कैबिनेट की नियुक्ति कमिटी ने इस पद पर बैठे पश्चिम बंगाल कैडर के सेवानिवृत्त आइएएस अधिकारी राघवेंद्र सिंह का इस्तीफा मंजूर कर लिया।

इस पद पर सिंह को तीन साल के लिए लाया गया था। यह अवधि सितंबर, 2022 में पूरी होनेवाली थी। इससे पहले उन्हें वस्त्र मंत्रालय के सचिव पद से सेवानिवृत्त होने के बाद फिर से एक साल के लिए संस्कृति सचिव बनाया गया था। भीतरी सूत्रों के मुताबिक, भाजपा नेतृत्व को भरोसा था कि पूर्व वित्त एवं विदेश मंत्री स्वर्गीय जसवंत सिंह के सहयोगी रहे राघवेंद्र सिंह बंगाल चुनाव में केसरिया पार्टी के सांस्कृतिक पुनरुत्थान के प्रतीक हो सकते हैं।

उन्होंने विभिन्न संग्रहालयों को बेहतर भी बनाया.उन्हें दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू संग्रहालय को सभी पूर्व प्रधानमंत्रियों के संग्रहालय में बदलने का जिम्मा भी दिया गया था। लेकिन प्रधानमंत्री द्वारा संस्कृति के लिए एक कैबिनेट रैंक और दो राज्य मंत्रियों की नियुक्ति के बाद उन्होंने पाया कि सिंह ने अपेक्षा के अनुरूप काम नहीं किया है।

नीति आयोग की मौजूदा उपयोगिता में बदलाव की चर्चा भी हो रही है। सत्ता में आने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने योजना आयोग की जगह नीति आयोग का गठन किया था, जिसका उद्देश्य योजनाओं का जल्दी निर्धारण, व्यापार सुगमता बढ़ाना तथा सहकारी संघवाद के साथ उत्तरदायी शासन की व्यवस्था करना था।

इससे अपेक्षा थी कि यह सभी मुख्यमंत्रियों की भागीदारी से निरंतर बैठकें करेगा। लेकिन बीते छह साल में यह संस्था केवल छह ऐसी बैठकें कर सकी है। सत्ता के गलियारों में ऐसा अहसास है कि नीति आयोग में विभिन्न क्षेत्रों में सुधारों की प्रक्रिया में सहभागियों के रूप में बाहरी लोगों का वर्चस्व है। संस्था से संबद्ध लोग बातें अधिक और काम कम करते हैं। अधिकारियों के समूहों में आयोग सूचकांक निर्माण समूह के रूप में चर्चित है। इसके द्वारा तमाम चीजों पर जारी सूचकांकों को बनाने की प्रक्रिया रहस्य ही है।

प्रधानमंत्री ने आयोग की गहन समीक्षा के लिए एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया है। इस साल के शुरू में उन्होंने गुणवत्ता नियंत्रण परिषद के प्रमुख आदिल जैनुलभाई से नीति आयोग की पूरी संरचना और उसके उद्देश्य की समीक्षा कर सुधार सुझाने को कहा था। परिषद के प्रमुख के रूप में उनकी नियुक्ति सितंबर, 2014 में हुई थी। आइआइटी-बंबई और हॉर्वर्ड बिजनेस स्कूल से पढ़े जैनुलभाई अमेरिकी बहुराष्ट्रीय संस्था मैकिंजी से तीन दशक से अधिक समय से जुड़े रहे। लेकिन नीति आयोग को मौजूदा रूप में बनाये रखने या खत्म करने का फैसला विधानसभा चुनाव के बाद ही होगा।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस. खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर,एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, **फोन:9619102478 /9821238815** email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस. खान**,
समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

दोस्ती कांपलेक्स के रहवासी द्वारा की गई मारपीट का मामला हुआ दर्ज

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। दोस्ती कंपलेक्स इमारत से मारपीट करने का मामला प्रकाश में आया है दरअसल मामला यह बताया जा रहा है दोस्ती कंपलेक्स के रहवासी समसुद्दीन खान के ड्राइवर मारूफ नीचे कार बेसमेंट में खड़ा था उसे पेशाब लगी तो खाली पड़े ड्रेनेज में उसने पेशाब कर लिया मारूफ द्वारा यह बताया जा रहा है कि मुझे किडनी स्टोन का प्रॉब्लम है और इसी कारण मुझे बार-बार जाना पड़ता है उस वक्त वहां पर मौजूद उजाला नाम के व्यक्ति जिसकी मोटरसाइकिल नो पार्किंग में खड़ी होने की वजह से मारूफ और उजाला में कहासुनी हो गई फिर बाद में मारूफ ने अपनी गलती को मान लिया मामला रफा-दफा हो गया यह घटना 11 नवंबर गुरुवार की थी फिर उसके बाद 16 नवंबर मंगलवार को रजा नामी व्यक्ति ने अपने आप को उजाला का भाई बताया और कहा तू जानता नहीं मेरे को हम लोग कौन है तूने मेरे भाई के साथ में विवाद क्यों किया फिर उस के बाद उसका बेटा शोएब और उसका भाई के साथ मिलकर मारुफ की जमकर पिटाई की और ब्लेड से सीने पर धारदार वार कर दिए और किसी वस्तु से उसके हाथों पर मार दिया जिसके कारण मारूफ का हाथ फ्रैक्चर हो गया घायल अवस्था में मारूफ को मुंब्रा के गौतमी अस्पताल में उपचार हेतु भर्ती कराय गया जहां पर उनकी शिकायत पर शील डायगर पुलिस ने सीआरपीसी आईपीसी धारा 324 323 504 506 34 के तहत मामला दर्ज कर लिया फिलहाल यह तीनों लोगों की गिरफ्तारी पुलिस ने अब तक नहीं की रहवासियों द्वारा यह बताया जा रहा है इन लोगों ने दोस्ती कांपलेक्स में अपने दबंगई बनाने के लिए यह मारपीट की और भी कई शिकायतों के मामले इन लोगों के शील डागर पुलिस स्टेशन में दर्ज है।

कंगना रनौत के विवादित बयानों को लेकर मुंबई और मुंब्रा में एनसीपी महिला द्वारा किया गया विरोध प्रदर्शन

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत के विवादित बयान को लेकर फिर से एक बार अखबारों की सुर्खियों मैं नजर आ गई है उनके द्वारा महात्मा गांधी जी के विरोध में दिया गया विवादित बयान को लेकर पूरे देश में विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है 17 नवंबर बुधवार को मुंबई की एनसीपी महिला विंग ने भी कंगना रनौत के फोटो पर चप्पलों से मारते हुए नजर आए वहीं दूसरी ओर 18 नवंबर गुरुवार को मुंब्रा में एनसीपी महिला द्वारा मुंब्रा पुलिस स्टेशन के पास एनसीपी की युवा नेत्री मर्जिया शानू पठान के नेतृत्व में कंगना रनौत के विरोध में जमकर नारेबाजी की और कंगना रनौत के फोटो को काला किया है और मर्जिया पठान ने अपनी प्रतिक्रिया दिखाते हुए कंगना रनौत को मानसिक रोगी बताया पद्मश्री सम्मान अवार्ड के बारे मैं कहां की वह उसके हकदार नहीं है और टिप्पणी करते हुए कहां जो किरदार उन्होंने पिक्चर में झांसी की रानी लक्ष्मीबाई का निभाया है उनके पास जरा भी झांसी की रानीलक्ष्मीबाई के जैसी सोच नहीं है गांधीजी के बारे में नारे लगाते हुए हैं गांधीजी हम शर्मिंदा हैं तेरे कातिल जिंदा है गांधीजी के बारे में कहा देश की लड़ाई 1857 मे शुरू की गई गांधीजी ने और अन्य स्वतंत्र सैनिक ने मिलकर देश को गांधीजी के नेतृत्व में उनके मार्गदर्शन में देश को आजादी 1947 में आजादी दिलाई कंगना रनौत पर शब्दों के वार करते हुए कहा उनकी मानसिकता समझ से परे है वह जो चाहे अपने मुंह से अपशब्द बोल देती हैं अभद्र भाषा का प्रयोग करती हैं उनकी जितनी भी विडंबना करें कम है राज्य के चीफ मिनिस्टर के बारे में अपशब्द देती है इस तरह की मानसिकता रखने वाले लोगों को वाई सिक्योरिटी दी जा रही है केंद्र सरकार द्वारा फिलहाल कंगना रनौत के विवादित बयान को लेकर पूरे देश में विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है देशभर में किए जा रहे विरोध को लेकर सरकार द्वारा कंगना रनौत पर क्या कार्रवाई की जाती है यह देखने वाली बात होगी।

(पृष्ठ 1 का शेष भाग)

पहली पत्नी के रिश्तेदार और क्रूज अधिकारी के....

मलिक ने कहा कि वानखेड़े ने भारतीय पुलिस सेवा के एक अधिकारी के बेटे को भी मादक पदार्थ के मामले में फंसाया और उसे गिरफ्तार करवाया। आईपीएस अधिकारी के साथ वानखेड़े का कोई विवाद था जिसके चलते उन्होंने ऐसा किया। मलिक ने महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री और राकांपा सदस्य अनिल देशमुख का पुरजोर समर्थन करते हुए कहा कि केंद्रीय एजेंसियों का गलत इस्तेमाल कर उन्हें फंसाया गया। देशमुख को प्रवर्तन निदेशालय ने मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में गिरफ्तार किया था और अभी वह न्यायिक हिरासत में हैं। बुधवार को राकांपा अध्यक्ष शरद पवार ने भी कहा था कि देशमुख के साथ अन्याय हो रहा है। मलिक ने भारतीय राजस्व सेवा के अधिकारी वानखेड़े के विरुद्ध आरोप लगाने का सिलसिला बृहस्पतिवार को भी जारी रखा। वानखेड़े अपनी पहली पत्नी शबाना कुरैशी को 2016 में तलाक दे चुके हैं और उन्होंने अभिनेत्री क्रांति रेडकर से 2017 में शादी की थी। मंत्री ने कहा, वानखेड़े ने सोचा कि उनकी पहली पत्नी उनके खिलाफ बोल सकती है इसलिए उन्होंने मादक पदार्थ बेचने वाले एक व्यक्ति के जरिये ड्रग्स रखवाया और उसके (पहली पत्नी) रिश्तेदार को राज्य पुलिस के नारकोटिक्स रोधी प्रकोष्ठ द्वारा गिरफ्तार करवा दिया।

दिल्ली दंगों में पुलिसकर्मी पर तानी थी .....

वकील ने कहा कि आरोपी ने दो राउंड गोली चलाई, जिसमें से एक हवा में जबकि दूसरी दाईं ओर चलाई गई। उन्होंने कहा कि इसके बाद आरोपी की दहिया से बहस हुई और वह वापस लौट गया। इसके बाद अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अमिताभ रावत ने वकील को दोबारा वीडियो चलाने को कहा और हवा में गोली चलाए जाने से ठीक पहले पठान की पिस्तौल की स्थिति पर ध्यान केंद्रित किया। न्यायाधीश ने कहा, "बंदूक (पिस्तौल) की स्थिति को देखिये। इसका निशाना सीधा है (दहिया पर। जब वह निशाना साध रहा है, तो बंदूक सीधी है।" हालांकि, बचाव पक्ष की वकील ने स्पष्टीकरण दिया कि दोनों बार चलाई गई गोली का निशाना हेड कांस्टेबल नहीं थे। उन्होंने कहा, "राज्य का मामला दहिया पर आधारित है। वह संभावित पीड़ित हैं और उन पर गोली नहीं चलायी गई। पहली गोली हवा में और दूसरी गोली दायीं ओर चलायी गई।" वहीं, पुलिस की ओर से पेश विशेष लोक अभियोजक अनुज हांडा ने कहा कि आरोपी ने साफ तौर पर पुलिसकर्मी पर पिस्तौल तानी थी। बचाव पक्ष की दलीलों का विरोध करते हुए हांडा ने कहा, "बंदूक (पिस्तौल) को शिकायकर्ता के सिर से थोड़ा नीचे ताना गया। कई गोलियां चलाने के कारण पीछे हटने की वजह से उसका हाथ ऊपर की ओर जा रहा है।"

कंगना के खिलाफ एक्शन.....

हम इस मामले पर कानूनी राय ले रहे हैं। एक बार जब हम फैसले पर पहुंच जाएंगे तो पार्टी ऐसे समन्वित हमलों के संबंध में अगला कड़ा रुख अपनाएगी। उन्होंने कहा कि तथ्यों को ऐसे तोड़ना-मरोड़ना राष्ट्र विरोधी कृत्य है, लेकिन सत्तारूढ़ ताकतें ऐसी टिप्पणियों के लिए प्रेरित कर रही हैं। वहीं राकांपा प्रवक्ता नवाब मलिक ने कंगना को खरी-खोटी सुनाते हुए कहा कि एक ऐसी महिला जो दिन भर क्रीम लेकर बैठी रहती है और बोलती है,उसके बोलने से महात्मा गांधी के विचार खत्म नहीं होंगे। प्रचारक लोग ऐसे लोगों को आगे करते हैं, उन्हें पता होना चाहिए कि बापू के विचार विश्व ने स्वीकार किए हैं, ऐसे में कोई कितना भी प्रयास करें, उसे सफलता नहीं मिलेगी। मलिक ने कहा कि योजनाबद्ध तरीके से महात्मा गांधी, पंडित जवाहरलाल नेहरू व अनेक स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के खिलाफ वातावरण तैयार करने का काम पहले से शुरू है। झूठा इतिहास बताकर, झूठी जानकारी देकर ऐसे लोग बार-बार बोलते हैं।

देश विरोधी गतिविधियों में लिप्त शक्तियां कट्टर पंथ को बढ़ावा दे राष्ट्रीय एकता को कमजोर कर देना चाहती हैं: कौसर मजीदी

संवाददाता सैय्यद अलताफ हुसैन

मधुपुर। सूफी खानकाह एसोसिएशन झारखण्ड प्रदेश यूनिट के तत्वावधान में सलैया स्थित खानकाह बुरहानिया में जश्ने गौसुल वरा कांफ्रेंस और भारत जोड़ो गोष्ठी का आयोजन किया गया।पीरे तरीकत हजरत ख्वाजा सूफी बुरहान हसन की अध्यक्षता में हुए इस कार्यक्रम में सूफी खानकाह एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सूफी मोहम्मद कौसर हसन मजीदी एडवोकेट मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए, अपने सम्बोधन में सूफी कौसर मजीदी ने कहा कि भारत विश्व का महानतम संविधान धारण करने वाला देश है जहां भांति भांति के लोग निवास करते हैं।देश विरोधी गतिविधियों में लिप्त कुछ शक्तियां कट्टर पंथ को बढ़ावा देकर हमारी राष्ट्रीय एकता को कमजोर कर देना चाहती हैं। सूफी वादी परंपराएं देश को एकता के सूत्र में पिरोती हैं,लेकिन फतवे बाजी शक्तियां इन आयोजनों को अनैतिक और असंवैधानिक फतवे के जरिए रोकना चाहती हैं जो भारत के संविधान की खुली अवहेलना है, ये वो ताकतें हैं जो चरमपंथ के जरिए नौजवानों को गुमराह कर रही हैं, जिससे

नौजवानों को बचाने की आवश्यकता है। कौसर मजीदी ने कांफ्रेंस में मौजूद नौजवानों का आवाहन करते हुए उनसे देश सेवा और देश विरोधियों की साजिशों को नाकाम करने का संकल्प दिलाया। सूफी संत कुर्बान अली चिश्ती ने कहा कि यह जमीन चिश्ती और नानक की शिक्षाओं के जरिए लोगों को जोड़ने वाली है, कानून का पालन करते हुए हमें अपनी परंपराओं को आगे बढ़ाना चाहिए,भारत ही एकमात्र ऐसा देश है जहां पर मुसलमानों को अपनी आस्था के अनुरूप जिंदगी बिताने की पूरी आजादी हासिल है। मौलाना मुस्लिम सीवानी मौलाना उजैर अहमद अशरफी सहित कई वक्ताओं और शायरों ने अपने विचारों को रखा। कार्यक्रम आयोजक सूफी खानकाह एसोसिएशन झारखंड प्रदेश अध्यक्ष सूफी अलाउद्दीन हसन बुरहानी ने कार्यक्रम में आए लोगों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन सूफी खानकाह एसोसिएशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सूफी शराफत हुसैन चिश्ती ने किया।सूफी संत ख्वाजा बुरहान हसन के उत्तराधिकारी सूफी गुलाम मुस्तफा बुरहानी ने मुल्क की सलामती की दुआ कराई।कार्यक्रम में प्रमुख रूप से झारखंड प्रदेश महासचिव मुमताज शराफती, उत्तर प्रदेश उपाध्यक्ष सूफी शहाबुद्दीन, जिला अध्यक्ष देवघर इमामुद्दीन, जिला महासचिव यूसुफ बुरहानी, जिला उपाध्यक्ष गुलाम कादिर बाबा सूफी निसार हसन सूफी अब्बास अली गिरिडीह जिला अध्यक्ष इमरान शराफती, महासचिव जिब्राइल अंसारी, जामताड़ा जिला अध्यक्ष अजहरुद्दीन अंसारी, धनबाद जिला उपाध्यक्ष सलमान खुर्शीद सहित सैंकड़ों लोग उपस्थित रहे।

आई जी ने अपने कार्यालय पर की जनसुनवाई

विद्या शंकर शुक्ला ब्यूरो मुंबई हलचल

प्रयागराज। बृहस्पतिवार को आई जी जोन राकेश सिंह ने अपने कार्यालय पर की जनसुनवाई, इस दौरान आईजी ने ध्यान पूर्वक आये हुए फरियादियों की समस्या सुनी और उसके निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिया। गौरतलब है कि प्रयागराज आई जी के रूप में चार्ज लेने बाद आई जी लगातार अपने कार्यालय में जनता से मिलकर उनकी समस्याओं का निस्तारण कर रहे हैं।

पूना में सोशल फॉर ह्यूमन राइट्स की जनरल काउंसिल की मीटिंग सम्पन्न

मुंबई हलचल ब्यूरो / भैरु सिंह राठौड़

भीलवाड़ा (राजस्थान)। एस. एफ. एच. आर. की राष्ट्रीय काउंसिल की मीटिंग का आयोजन पूना (सोनावाला) में किया गया! जिसके अंतर्गत देश के सभी प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का सुभारंभ राष्ट्रीय अध्यक्ष के. एस. चौहान, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जे. वी. एस. सिसोदिया, महिला विंग की राष्ट्रीय अध्यक्ष धनलक्ष्मी नायडू, एवं सभी राज्यों के अध्यक्षों द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय सचिव अमित बनर्जी, एच. के. पासवान, शेखर शिल्के, राजेंद्र परदेशी, आई टी हेड वरुण चौहान, महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ अध्यक्ष गणपत चौहान, देहली अध्यक्ष आर. एस. तोमर, राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष गणेश शर्मा, देहली सचिव गिरीश सारस्वत, सफदर सिद्दीकी, डी. पी. दुबे, कुमार दयगुड़ी, हिमानी सोम, राकेश धीमन, संजीव जोहरी, वाहिदखान, जयंत भोईधर, मनोज चौहान, अनिता दाई गुड़ी, टी. डी. सत्यवाणी, रत्ना बनर्जी, निशा धड़के एवं अन्य राज्यों से आए हुए प्रतिनिधि मण्डल के सदस्यों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान मणिपुर में नक्सलवादियों के हमले में शहीद हुए कमांडर ऑफिसर विप्लव त्रिपाठी एवं उनकी पत्नी तथा बच्चों को श्रद्धांजलि दी गई। उक्त जानकारी वरिष्ठ पत्रकार एवं भारतीय ग्रामीण पत्रकार संघ के राष्ट्रीय महासचिव तथा सोशल फॉर ह्यूमन राइट्स के राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष श्री गणेश नारायण शर्मा (जयपुर) ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

गुलाबी गैंग की राष्ट्रीय अध्यक्ष हे मलता पटेल अपने सैंकड़ों समर्थकों के साथ प्रियंका गांधी से मिली

मुंबई हलचल ब्यूरो / भैरु सिंह राठौड़

भीलवाड़ा (राजस्थान)। चित्रकूट में कांग्रेस राष्ट्रीय महसचिव व यूपी प्रभारी प्रियंका गाँधी के महिला शक्ति संवाद कार्यक्रम में गुलाबी गैंग लोकतान्त्रिक अध्यक्ष व फतेहपुर महिला कांग्रेस की जिला अध्यक्ष एवं ब्लाक प्रधान संघ की अध्यक्ष एवं वर्तमान ग्राम प्रधान और आगामी विधानसभा चुनाव हेतु कांग्रेस पार्टी की प्रबल दावेदार प्रियंका गाँधी की करीबी हेमलता पटेल के नेतृत्व में फतेहपुर से सैकड़ों महिलाएं संवाद कार्यक्रम में पहुंची महिलाओं में प्रियंका गांधी से मिलने का गजब का उत्साह दिखो अध्यक्ष हेमलता पटेल के साथ प्रियंका गांधी के समर्थन में जोरदार नारेबाजी करते हुए जब सैकड़ों महिलाएं अपनी गुलाबी ड्रेस में आयोजन स्थल रामघाट पर पहुंची तो नजारा देखते ही बन रहा था। गुलाबी रंग से सम्पूर्ण प्रांगण सराबोर हो गयो कार्यक्रम आयोजन कताओं ने महिलाओं को सबसे आगे बैठने का स्थान प्रदान कियो अध्यक्ष हेमलता पटेल के साथ नारी शक्ति का हुजूम देखकर प्रियंका गांधी ने भी बड़े उत्साह व प्रशन्नता के साथ अभिवादन स्वीकार किया। रामघाट मंदाकिनी नदी की अविरल धारा पर बने स्टेज पर प्रियंका गांधी व हेमलता पटेल की स्नेहिल मुलाकात हुई, गले मिलकर अभिवादन किया साथ में सेल्फी भी ली महिला शक्ति संवाद कार्यक्रम में कई अन्य जिलों से भी बड़ी संख्या में महिलाएं रहीं प्रियंका गांधी ने महिलाओं से संवाद किया, महिलाओं ने अपनी समस्यायें व आकांक्षाएं प्रियंका गांधी के समक्ष रखी जिन पर निवारण के लिए प्रियंका गांधी ने उन्हें पूर्ण विश्वास दिलाया व कांग्रेस पार्टी द्वारा महिलाओं को मुख्य धारा में लाने हेतु कांग्रेस के प्रयासों व कांग्रेस की प्रतिज्ञाओं को बताया। महिलाओं ने एक स्वर में प्रियंका गाँधी से कंधे से कन्धा मिला कर चलने हेतु आवाज बुलंद की अध्यक्ष हेमलता पटेल ने प्रियंका गाँधी का सहदय सादर आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी व बहन प्रियंका गाँधी जी महिलाओं को आगे लाने के लिए इतने

कर्मठता से प्रयास कर रहीं हैं सभी महिलाओं में खुशी का माहौल व उन पर उम्मीद है संघर्ष की इस मुहिम में हम सभी उनके साथ हैं। हेमलता पटेल ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को बताया कि कांग्रेस पार्टी उन्हें जिले में कहीं से भी टिकट देगी वह उसमें खरा उतरने का पूरा पूरा प्रयास करेगी।

मुसलमानों पर हमले हो रहे मस्जिदें नष्ट की जा रहीं पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला

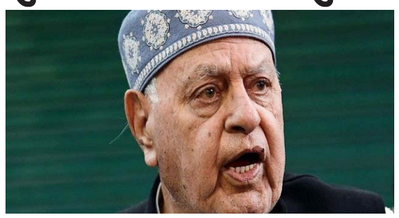

रिपोर्टर/अरमान उलहक

जोधपुर। जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने राजस्थान के जोधपुर में मीडिया से बातचीत में कहा कि सरकार को कार्रवाई करनी होगी क्योंकि भारत के साथ खड़े मुसलमानों की हत्या हो रही है उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच वार्ता की भी मांग करते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच की समस्याएं खत्म करने का यही एकमात्र तरीका है। उन्होंने कहा कि जब हम देश में देखते हैं, तब नजर आता है कि मुसलमानों पर हमले हो रहे हैं, उन्हें पीटा जा रहा है और मस्जिदें विस्फोट कर उड़ाई जा रही हैं उन्होंने कहा कि इसके शिकार हम होंगे, जो भारत के साथ खड़े हैं। हम मारे जाएंगे क्योंकि भारत के सिवा हमारे पास रहने के लिए कोई और जगह नहीं है। हम समान हैं लेकिन जो स्थिति बन रही है वह डर पैदा करती है और उसे (सरकार को) इसका हल करना होगा अब्दुल्ला ने कहा कि भारत-पाक के बीच संबंधों में तनाव के चलते हिंदुओं और मुसलमानों के बीच संबंध प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने केंद्र पर परोक्ष हमला करते हुए कहा कि वे चीन के साथ वार्ता कर सकते हैं, जबकि वह भारत के भू-भाग में है तथा प्रतिदिन और आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि हम चीन के साथ वार्ता कर सकते हैं तो पाकिस्तान के साथ क्यों नहीं। चीन हमारे क्षेत्र में है और प्रतिदिन आगे बढ़ रहा है। उन्होंने जम्मू कश्मीर की मौजूदा स्थिति के बारे में कहा कि मीडिया वहां स्वतंत्र नहीं है। कोई भी स्वतंत्र रूप से लिख नहीं सकता और यदि आप ऐसा करेंगे तो जेल जाएंगे। उन्होंने चीन और पाकिस्तान का जिक्र करते हुए कहा कि हम उनके बीच फंस गए हैं। हम नहीं जानते कि क्या किसी दिन युद्ध होगा। सिर्फ हमें ही भुगतना होगा। हम मारे जाएंगे।

साधु भगवा की आड़ में भौतिक सुख सुविधाओं के फेर में स्वादु बनकर भगवा को कलंकित ना करें - के. बी. सुखवाल

मुंबई हलचल ब्यूरो / भैरु सिंह राठौड़

भीलवाड़ा (राजस्थान)। आज देश में देखा जाए तो भगवा की आड़ में बहुत से साधु संत भोगविलास व भौतिक सुख सुविधाओं में संलिप्त हैं, जिसे देखकर लगता है वो पाखंड का चोला पहनकर सरेआम भगवा को कलंकित कर रहे हैं। भगवा को कलंकित करने वाले ऐसे पाखंडियों से परहेज करते हुए जनता को बचाना चाहिए! हिन्दू धर्म में भगवा सदा पूजनीय, वंदनीय रहा है और रहेगा। इस भगवा को धारण करके तो हिन्दू धर्म के आराध्य भगवान श्रीराम भौतिक सुख सुविधाओं तथा राजपाट का परित्याग करते हुए चौदह साल का वनवास काटा था। हिन्दू धर्म की कट्टर समर्थक एवं उदयपुर की वरिष्ठ समाजसेविका के. बी. सुखवाल ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को बताया कि आज भी देखा जाए तो सनातन धर्म में रंगों का बहुत ज्यादा महत्व हैं। जिसमें केसरिया, पीला और सफेद यह तीनों रंग पूजनीय हैं इन्हें साध्वी एवं सन्यासियों द्वारा धारण किया जाता है जो मुमुक्षु होकर मोक्ष के मार्ग पर चलने के लिए कृत संकल्पित होते हैं, ऐसे सन्यासी खुद का अपने परिवार के सदस्यों सहित जीते जी ही पिंड दान करके सभी तरह के माया मोह को त्याग कर गृहस्थ जीवन को एवं खुद स्वयं की स्वयं की इच्छा से वनवास एवं अज्ञातवास में चले जाते हैं एवं इन तीनों रंगों में से कोई एक रंग का वस्त्र पूजा-पाठ द्वारा संकल्प लेते हुए संयम संकल्प और आत्म नियंत्रण करते हुए धारण कर लेते हैं! यह यज्ञ दीप दाह संस्कार में यह रंग अग्नि में मौजूद रहते हैं और इसी वजह से केसरिया, पीला और सफेद रंग त्याग और बलिदान शुद्धता एवं सेवा सादगी का प्रतीक है इन रंगों को पूजा पाठ एवं मांगलिक कार्यों में हमेशा उपयोग में लिया जाता है लेकिन जब किसी व्यक्ति में सन्यास लेने या वैराग्य मन में आ जाता है तो विधिवत पूजा करके इन वस्त्रों को धारण किया जाता है और इन रंगों में से कोई एक रंग को धारण करने के बाद में दूसरा कोई रंग शरीर पर पहनना इस रंग का अपमान करने के बराबर होता है केसरिया, पीला और सफेद रंग सूर्य मंगल और बृहस्पति जैसे ग्रहों का भी प्रतिनिधित्व करते हैं और खास तौर पर भगवा रंग को स्वयं भगवान श्रीराम, सीता माता एवं लक्ष्मण जी ने धारण किया था जो अपने अयोध्या का राज्य व हीरे जवाहरात और सोने-चांदी के जेवरात को त्याग कर राजाओं वाली पोशाकों को छोड़कर उन्होंने इस भगवा को अपनाया था माता सीता ने सिर्फ चूड़ामणि और श्री राम ने एक अंगूठी को ही अपने हाथ में रखा था क्योंकि यह सुहाग की निशानी होती है और वह एक सुहागन थी बाकी सभी जेवरातों का उन्होंने अयोध्या में ही त्याग कर दिया था और इसी भगवा को संपूर्ण श्रृंगार मानते हुए धारण कर लिया था एवं सारी भौतिक सुख सुविधाओं का परित्याग कर वनवास का

जीवन बिताया था और ब्रह्मचर्य का पालन करते हुए 14 वर्ष तक वनवास में ही रहे थे और जब वापस वनवास से अयोध्या की और आए तो इनको अयोध्या नरेश भगवान श्रीराम के नाम से जाना गया इससे पहले वह सिर्फ श्रीराम ही थे भगवा को धारण करने के बाद में भगवान श्री राम बन गए। इसीलिए इस श्रृंगार रूपी भगवा को पहनने के बाद कोई भी आधुनिक श्रृंगार वर्जित है और इस भगवा का लोगों को अभी तक शाब्दिक अर्थ भी मालूम नहीं होगा। भ... भौतिक सुखों का संपूर्ण त्याग ग... गृहस्थ जीवन से वैराग्य वा... वास . यानी निवास जिनका मरते दम तक जंगलों में ही निवास होता है और जो साध्वी और सन्यासी इन सारे सुखों को त्याग कर भगवा को धारण कर लेते हैं उस भगवा के पीछे न.. अपने आप ही लग जाता है जो भ.ग.वा.न..... रूप हो जाते हैं क्योंकि भगवा रंग नारंगी, सफेद और पीले रंग के मिश्रण से बनता हैं, जिस का महत्व इन तीनों रंगों से कहीं गुना ज्यादा हैं और इस रंग को पहनने वाले को साक्षात भगवान के रूप में ही देखा जाता हैं। न... नारायण का स्वरूप निराकार निस्वार्थ निष्पक्ष साक्षात ईश्वर का स्वरूप ही बन जाता हैं। जिसे हम भगवान कहते हैं, लेकिन कुछ लोगों ने इन पूजनीय रंगों का दुरुपयोग करते हुए गृहस्थ आश्रम में होते हुए भी इसे धारण करके जो सनातन धर्म के लिए सरेआम कलंक का काम कर रहे हैं वह मेहरबानी करके इस स्वांग रूपी साधु के वेश को उतार दे क्योंकि समाज सेवा करने के लिए स्वांग करने की कोई आवश्यकता नहीं होती हैं, वह सेवा तो मन और तन से की जाती है आपके पहनावे से नहीं की जाती है, लेकिन आप साधु बनकर भगवा को धारण करके गृहस्थाश्रम निभा रहे हैं तो इससे पूरा सनातन धर्म कलंकित होता हैं, और जो भगवाको धारण करने के बाद भी उन भौतिक सुखों को त्याग नहीं सकते उन साधुओं और साध्वी मांओ पर यह कहावत बिल्कुल खरी उतरती हैं कि - मुख में राम बगल में छुरी जब देखो जब नियत बुरी जो साधु सिर्फ दिखावे के लिए ही साधु है बाकी तो वह स्वाधु हैं वह साधु नहीं है इनकी वजह से लोग सच्चे साधुओं को भी शक की नजरों से देखते हैं और इसी वजह से लोगों को हमारे पूरे सनातन धर्म को कलंकित एवं बदनाम करने का मौका मिल जाता हैं जो कतई न्यायोचित ठहराया नहीं जा सकता हैं।

जन्मदिन के अवसर पर उनके चाहने वालों ने और एनसीपी पार्टी के कार्यकर्ता पदाधिकारी ने जन्मदिन की खुशी के मौके पर हार्दिक शुभकामनाएं पेश की। तुम जियो हजारों साल साल के दिन हो पचास हजार।

बांग्लादेश से त्रिपुरा तक की आग

संवाददाता सैय्यद अलताफ हुसैन

बाड़मेर। राजस्थान के बाड़मेर व जैसलमेर पाकिस्तान बॉर्डर से सटे हुए जिले हैं। पाकिस्तान में चाहे कुछ भी हो, राजस्थान के इन जिलों में कभी कानून व्यवस्था नहीं बिगड़ती, लोगों पर नरपिशाच सवार नहीं होता। जानते हो क्यों? क्योंकि यहाँ टीवी में आने वाले समाचार नहीं देखे जाते और अखबार बहुत कम पढ़े जाते हैं। मिथुन, गोविंदा, धर्मेंद्र की मनोरंजक फिल्मे देखते हैं, गप्पे मारते हैं, मस्त रहते हैं।वहीं दूसरी तरफ बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के विरुद्ध हिंसा हुई, जिसकी क्रिया की प्रतिक्रिया भारत के तथाकथित शूरवीरों ने त्रिपुरा को जलाकर दे दी। त्रिपुरा के लोग जरूर समाचार ज्यादा देखते होंगे, अखबार अधिक चाटते होंगे जिसके फलस्वरूप उनके भीतर का जानवर मानवता की परत को फाड़कर बाहर निकल आया। बांग्लादेश के नरपिशाचों से बदला लेने के लिए ये खुद अपने मुल्क के लिए नरपिशाच बन गए। सुदर्शन न्यूज के दंगाई एंकर ने बाकायदा हिंसा का आह्वान किया है। शायद दंगाइयों पर यहाँ कोई कानून लागू नहीं होता। उल्टा जिन लोगों ने त्रिपुरा में हो रही हिंसा को विरोधस्वरूप ट्विटर के माध्यम से उठाया उनपर UAPA लगाया गया है। बांग्लादेश में हिंसा हुई तो वहां करीब 500 कट्टरपंथियों का बिस्तर जेल में लग चुका है, उनके सरगनाओं की तलाश की जा रही है। प्रधानमंत्री ने फ्रंट पर आकर हिंसा के विरोध में बयान दिया है। कट्टरपंथी संगठनों पर प्रतिबंध लगा दिए गए हैं। लेकिन यहाँ क्या हुआ? प्रधानमंत्री के मुंह मे दही जमा हुआ है। मीडिया या तो खामोश है या दंगाईयों के समर्थन में रेडियो रवाण्डा बनी हुई है। दंगाइयों के विरुद्ध कानून व्यवस्था को कैसे मैनेज किया जा रहा है ये लोकतांत्रिक देश में किसी को पता नहीं है, जबकि जो लोग हिंसा का विरोध कर रहे हैं उनपर UAPA थोपा जा रहा है। आप अपने आप को हमारी नजरों से देखिए, बिल्कुल नरपिशाच नजर आ रहे हैं, वो भी नंगे वाले नरपिशाच कहते हैं 'नंगे से भूत भागता है' लेकिन भूत ही नंगा हो जाए तो उसे कौन भगा सकता है और क्या समझते हैं आप कि कुछ धार्मिक ग्रंथ एवं कुछ धर्म स्थल जलाकर आप हमें अलग कर देंगे। कभी नहीं कर पाएंगे। उल्टा एक दिन तमाम अलग अलग वर्ग, धर्म, सम्प्रदाय, जाति के पीड़ित एक तरफ हो जाएंगे और आप अलग पड़ जाएंगे। आप हमें नहीं बल्कि खुद को अलग कर रहे हैं। हमारी पीठ तुम्हारे जुल्म के चाबुक से दिनों दिन मजबूत हो रही है, तुम्हारा दिल मुर्दा हो रहा है। अब्बास पठान बाड़मेर

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

माओवादियों पर बड़ा प्रहार

मदद करने वालों के 14 ठिकानों पर एनआईए की छापेमारी

हैदराबाद। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने गुरुवार को प्रतिबंधित संगठन सीपीआई माओवादी को समर्थन देने, उनकी मदद करने के आरोप में कई जगह छापेमारी की। एनआईए ने इस संबंध में हैदराबाद में 14 ठिकानों और आंध्र प्रदेश के प्रकाशम और विशाखापट्टनम जिलों में भी रेड की। ये छापेमारी महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में हाल ही में नक्सलियों के साथ हुए एनकाउंटर के बाद की गई है।

आंध्र प्रदेश पुलिस के एक अधिकारी मुताबिक , एनआईए के पास गढ़चिरौली में हुई मुठभेड़ के बाद से ही पुख्ता जानकारी थी। इस एनकाउंटर में पुलिस ने 27 माओवादियों को मार गिराया गया था। यह छापेमारी सुबब 5 बजे शुरू हुई थी।

एनआईए ने सबसे पहले प्रकाशम जिले में कवि और विप्लव रचयितला संघम के नेता जी कल्याण राव के घर पर छापेमारी की। एनआईए ने कल्याण राव के पास से माओवादी पार्टी समर्थक कुछ साहित्य भी जब्त किया है। कल्याण राव माओवादी पार्टी की सेंट्रल कमेटी के सदस्य अक्कीराजू हरगोपाल उर्फ रामकृष्ण के भी करीबी हैं। अक्कीराजू की इसी साल 14 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ के जंगल में किडनी संबंधी बीमारी की वजह से मौत हो गई थी।

रामकृष्ण की शआदी कल्याण राव की साली से हुई थी और दोनों ने आंध्र प्रदेश सरकार के साथ साल 2004 में हुई माओवादी पार्टी की वार्ता में हिस्सा लिया था। एनआईए अधिकारियों ने वकील और महिला संघ की नेता अन्नपूर्णा के घर पर भी छापेमारी की।

पीएम मोदी को काला झंडा दिखाने वाली सपा नेता रीता यादव पर कार्रवाई

आंदोलन के मूड में पार्टी

सुल्तानपुर। पीएम मोदी को काला झंडा दिखाने के आरोप में समाजवादी पार्टी की नेता को 24 घंटे हिरासत में रखा गया। उन्हें कोर्ट में भी पेश किया गया। इसको लेकर सपा के नेताओं ने नाराजगी जताई है।

उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर में पीएम नरेंद्र मोदी ने 16 नवंबर को पूर्वांचल एक्सप्रेसवे का उद्घाटन किया था। इस दौरान पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर भारतीय वायुसेना के विमानों ने हैरतंगेज करतब दिखाए थे। पीएम मोदी के कार्यक्रम को लेकर सियासत भी खूब हुई थी। पीएम मोदी को काला झंडा दिखाने के आरोप में समाजवादी पार्टी की नेता को 24 घंटे हिरासत में रखा गया। उन्हें कोर्ट में भी पेश किया गया। इसको लेकर सपा के नेताओं ने नाराजगी जताई है।

बताया जाता है कि गोसाईगंज प्रभारी पुलिस के साथ पीएम मोदी के आगमन को लेकर ड्यूटी पर तैनात थे। पीएम मोदी सुल्तानपुर के कार्यक्रम स्थल पर पहुंच चुके थे। पीएम मोदी पूर्वांचल एक्सप्रेसवे का उद्घाटन करने के बाद संबोधित कर रहे थे। इसी बीच एक महिला ने काला झंडा दिखाया।

महिला का नाम रीता यादव बताया जाता है। पुलिस का कहना है कि रीता यादव शांति व्यवस्था को भंग कर रही थी।

ऐसी भी खबरें आईं हैं कि रीता यादव समाजवादी पार्टी से जुड़ी हैं। पुलिस की कार्रवाई को लेकर महिला की तरफ से कुछ नहीं कहा गया है। दूसरी तरफ समाजवादी पार्टी के सूत्रों की मानें तो वो इस मसले को उठाने की पूरी प्लानिंग कर रहे हैं। चुनावी मौसम में समाजवादी पार्टी इस मामले को नहीं छोड़ना चाहती।16 नवंबर को पीएम मोदी ने पूर्वांचल एक्सप्रेसवे का उद्घाटन किया। इस मौके पर पीएम मोदी ने लोगों को संबोधित किया था। पीएम मोदी ने योगी सरकार की उपलब्धियों का बखान भी किया था। खास बात यह है पीएम के कार्यक्रम के अगले दिन 17 नवंबर को सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने गाजीपुर से लेकर लखनऊ तक समाजवादी विकास यात्रा निकाली थी। अखिलेश यादव ने कई मुद्दों का जिक्र किया था। राज्य सरकार पर सपा सरकार के कामकाज को अपना बताने के आरोप लगाए थे।

15% की वेतन वृद्धि में भी बिहार सरकार ने की नियोजित शिक्षकों के साथ छलावा:मशकूर आलम

संवाददाता

मधुबनी । बिहार प्रदेश प्रारंभिक शिक्षक संघ जिला इकाई मधुबनी के जिला अध्यक्ष मशकूर आलम ने कहा के बिहार सरकार हमेशा नियोजित शिक्षकों के साथ सौतेला व्यवहार करती आ रही है जबकि नियोजित शिक्षक हमेशा से स्कूलों में अपने दायित्वों का निर्वाह कुशलता पूर्वक करते आ रहे हैं , नियोजित शिक्षक हमेशा अपने वाजिब हक के लिए सरकार से मांग करती रहती है लेकिन सरकार कभी भी बगैर संघर्ष के कुछ भी नहीं देती । एक लम्बी संघर्ष के बाद अप्रैल-2021 से वेतन में 15% की वृद्धि करने का प्रस्ताव सरकार ने पास किया, लेकिन 8 महिने बीत गए हम शिक्षकों को इसका लाभ नहीं मिला। पहले सरकार साफ्टवेयर के नाम पर रोक रखा था और अब कैलकुलेटर के नाम पर पर रोक लिया है। शिक्षा विभाग बिहार सरकार पटना के उप सचिव के ज्ञापांक-11/वि1-08/2013(अंश 111) 1816 दिनांक-12।11।2021 में नया पे- मैट्रिक्स का निर्धारण किया गया है जो न तो वेतनमान 5200-20200 का पूर्णरुपेण स्केल है और नहीं पुराना पे-मैट्रिक्स। इस नए पे-मैट्रिक्स से शिक्षकों को काफी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा।उक्त.

पत्र के कंडिका 7(11) में कहा गया है कि 01अप्रैल 2021 के प्रभाव से उक्त.पे-मैट्रिक्स में जिन शिक्षकों/पुस्तकालयाध्यक्षों के मूल वेतन का निर्धारण होगा, उन्हें वार्षिक वेतन वृद्धि का लाभ 01 जनवरी 2022 से देय होगा। जबकि पूर्व से अधिकांश शिक्षकों को 3 प्रतिशत वार्षिक वेतन वृद्धि का लाभ 01 जुलाई से मिलता आ रहा है। वार्षिक वेतन वृद्धि कोई अतिरिक्त वित्तीय लाभ या वित्तीय उन्नयन की श्रेणी में नहीं आता है। इस स्थिति में 01 जुलाई से मिलने वाला वार्षिक वेतन वृद्धि नहीं देना शिक्षकों के हित में अन्याय है। यदि पूर्व से 01जुलाई को प्राप्त होने वाली वार्षिक वेतन वृद्धि नहीं दी गई तो 01जुलाई- 2022 से वेतन वृद्धि 15% से घटकर 12% ही रह जायेगी जो सरकार की घोषणा के विपरीत होगा। दूसरी ओर नई जारी पे-मैट्रिक्स में नव प्रशिक्षित शिक्षकों के लिए इन्डेक्स-03 की बाध्यता दूर नहीं की गई है साथ ही नव प्रशिक्षित शिक्षकों को प्रशिक्षित वेतन 31।03।2019 मिलने के बाद जुलाई 2019 का 3% वृद्धि भी नहीं की गई है जो न्यायसंगत नहीं है। अतः बिहार प्रदेश प्रारंभिक शिक्षक संघ सरकार से मांग करती है के उक्त.पत्र को संशोधित कर हम नियोजित शिक्षकों के साथ न्याय किया जाये।

अरुणाचल प्रदेश में आईएएफ हेलीकॉप्टर क्रैश

2 पायलट और क्रू थे सवार, सभी सुरक्षित

नई दिल्ली। अरुणाचल प्रदेश में भारतीय नौसेना का हेलीकॉप्टर एमआई-17 क्रैश हो गया है। यह हादसा पूर्वी अरुणाचल प्रदेश में हुआ। हेलीकॉप्टर में दो पायलट और तीन क्रू सदस्य थे और सभी सुरक्षित हैं।

खबर के मुताबिक, जिस वक्त यह हादसा हुआ उस समय हेलीकॉप्टर इलाके की गश्ती कर रहा था। हादसे की वजह क्या थी, यह जानने के लिए जांच के आदेश दिए गए हैं।

बता दें कि बीते महीने ही मध्य प्रदेश के भिंड में एयरफोर्स का मिराज विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। विमान के क्रैश होने से पहले ही चीफ पायलट अभिलाष पैराशूट से सुरक्षित बाहर निकल आए थे। सितंबर माह में ही जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में पटनीटॉप के पास भी आर्मी हेलीकॉप्टर क्रैश हुआ था, जिसमें दो पायलटों की मौत हो गई थी।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

जाड़े के मौसम में योग से कंट्रोल करें अस्थमा

अस्थमा होने के कई कारण हैं, यह पर्यावरण या आनुवंशिक जैसे कई कारकों के कारण हो सकता है। एलर्जी, दवा, श्वसन संक्रमण, तनाव और चिंता आदि भी अस्थमा के कारण हो सकते हैं। योगाभ्यास से अस्थमा में आराम पाया जा सकता है और अगर अस्थमा नहीं है तो इसे टाला भी जा सकता है।

योग अस्थमा या दमा को ठीक करने में मदद कर सकता है। ये बात सुनकर हो सकता है कि एक बार में आपको यकीन न आए लेकिन ये सच है। अस्थमा या दमा के कई कारण हो सकते हैं। दमा होने पर सांस लेने में तकलीफ होने लगती है और इसी वजह से फेफड़ों को जरूरी मात्रा में आक्सीजन नहीं मिल पाता है। योगाभ्यास से अस्थमा में आराम पाया जा सकता है और अगर अस्थमा नहीं है तो इसे टाला भी जा सकता है।

अस्थमा के कारण

अस्थमा होने के कई कारण हैं, यह पर्यावरण या आनुवंशिक जैसे कई कारकों के कारण हो सकता है। एलर्जी, दवा, श्वसन संक्रमण, तनाव और चिंता आदि भी अस्थमा के कारण हो सकते हैं।

अस्थमा के लिए योग

अस्थमा के मरीजों को एक्सरसाइज से प्राकृतिक तौर पर राहत मिलती है लेकिन ज्यादा कठिन शारीरिक परिश्रम करना चुनौती भरा होता है। वहीं दूसरी तरफ योग धीमी और आसानी से होने वाली प्रक्रिया है। इस प्रक्रिया में गहरी सांसें लेना भी शामिल होता है। ये अस्थमा के मरीजों के लिए बेहद फायदेमंद होता है।

अर्ध मत्येंद्र आसन से पाएं अस्थमा से छुटकारा

- पैरों को आगे की तरफ कर चटाई पर बैठ जाएं। बायें पैर को मोड़कर एड़ी कूल्हों के नीचे ले आएं।
- अब पैर के तलवे को दाहिनी जांघ के साथ लगा दें।
- अब दाहिने पैर को घुटने से मोड़ कर खड़ा कर लें और बायें पैर की जांघ से ऊपर ले जाते हुए जांघ के पीछे जमीन के ऊपर करें।
- बायें हाथ को दाहिने पैर के घुटने के बगल में दबा लें और दाहिये पैर का अंगूठा पकड़ें। दांया हाथ पीठ के पीछे से घुमा कर बायें पैर की जांघ को पकड़ें।
- चेहरे को दांयी ओर घुमाएं इतना कि ठोड़ी और बांयां कन्धा एक सीध में हो जाएं।

अस्थमा से राहत दिला सकता है सेतुबंधासन योगासन

- पीठ के बल लेट जाएं।
- दोनों हाथ शरीर के साथ सीधे रखें।
- हथेली को जमीन से लगा लें। अब घुटनों को मोड़ें, जिससे कि तलवे जमीन से लगें।
- अब सांस लें और कुछ देर तक इसे रोक कर रखें। धीरे-धीरे कमर को जमीन से ऊपर उठा लें।
- कमर को इतना ऊपर उठाएं कि छाती ठुड्डी को छू ले।
- कोहनी से मोड़ें और हथेलियों को कमर से नीचे ले आएं।

अस्थमा से मिलेगी राहत, करें वज्रासन

- इसे करने के लिए एक मैट बिछाएं और इसके ऊपर घुटनों को पीछे की ओर करते हुए बैठ जाएं
- अब पेल्विस को अपनी एड़ी पर टिकाएं
- अपनी एड़ियों के बीच में थोड़ा गैप रखें
- अपनी हथेलियों को अपनी जांघों पर रखें
- अपनी पीठ को सीधा करें और आगे देखें
- इस पोज में थोड़ी देर बैठें रहें और फिर पोस्चर बदल सकते हैं

सर्दियों में नहीं करता पार्लर जाने का मन

ग्लोइंग स्किन पाने के लिए घर पर दो स्टेप्स में करें फेशियल

सर्दियों के मौसम में स्किन केयर जरूरी होता है। हालांकि सर्दियोंमें बाहर जाने के चक्कर में लोग इसे पूरी तरह से नजरअंदाज कर देते हैं। विंटर सीजन में अगर आप ग्लोइंग स्किन पाना चाहती है तो घर में ही फेशियल कर सकती हैं। ऐसे में आपको दो फायदे मिल जाते है, पहला तो ये कि आपको सर्दियों के मौसम में बाहर जाने की जरूरत नहीं पड़ती और दूसरा ये की आपको बिना किसी केमिकल इंग्रेडिएंट का इस्तेमाल करे ग्लोइंग स्किन भी मिल जाती है। वहीं आपको बचा दें की ये फेशियल दो स्टेप्स में कंपलीट हो जाता है। आइए जानते हैं किन चीजों से घर पर करें फेशियल-

1) क्लींजिंग+ स्क्रबिंग

फेशियल करने से पहले सबसे पहला स्टेप फेस क्लींजिंग का होता है। ऐसा करने से स्किन के सभी तरह की गंदगी साफ होती है, साथ ही डेड स्किन हटाने में मदद भी मिलती है। आप फेस क्लींजिंग करने के लिए एक चम्मच बादाम का पेस्ट लें, एक छोटा चम्मच शहद और एक छोटा चम्मच पानी मिलाएं। इससे अच्छे से मिक्स करें और फिर इससे अपने चेहरे की मसाज करें। मसाज करते समय स्किन को रगड़ने की बजाए हल्के हाथ से जेंटली मसाज करें।

2) पैक

क्योंकि ये दो स्टेप्स में कंपलीट होने वाला फेशियल है तो आप अब अपनी स्किन पर अंडे का इस्तेमाल करें। अंडे में प्रोटीन की मात्रा ज्यादा होती है, ऐसे में ये स्किन के लिए अच्छा साबित हो सकता है। अगर आपकी ड्राई स्किन है तो आप अंडे की जर्दी में दो चम्मच गुलाब जल और एक चम्मच शहद मिलाकर लगाएं। कुछ देर तक स्किन पर लगा रहने दें फिर चेहरे की मसाज करें और चेहरे को साफ करें। अगर आपकी स्किन पर झुर्रियां हैं तो आप अंडे के व्हाइट पार्ट में जौ का आटा, शहद मिलाकर लगाएं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

भावपूर्वक श्रद्धांजलि

श्री जगमोहन गुप्ता जी (शिवजी)

शोक समाचार

प्रसिद्ध उद्योगपति, समाजसेवक एवं गांधी विचार मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मनमोहन गुप्ता जी (एम.एम.मिठाईवाला) के अनुज जगमोहन गुप्ता (शिवजी) का आज दु:खद निधन हो गया। गुप्ता परिवार की यह एक अपूर्णीय क्षति है। हम सब ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि परम पवित्र आत्मा को अपना सानिध्य और शोकाकुल परिवार को संबल प्रदान करें।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर